

আমি কলহেরি তরে কলহ করেছি বোঝ নাকি রসিক বঁধু ।
 তুমি মন বোঝ মনোচোর মান বোঝ নাকি হে—
 তুমি ফুল চেন, চেন নাকি মধু ?

তুমি যে মধুবনের মধুকর
 তুমি মধুরম্ মধুরম্ মধুময় মনোহর
 কলহেরি কুলে রাহে অভিমান-মধু যে, চিন নাকি বঁধু হে—
 রাগের মাঝে রাহে অনুরাগ-মধু হে, দেখ নাকি বঁধু হে—

কলঙ্কী বলে গগনের চাঁদ প্রতি দিন ক্ষয় হয়
 তুমি নিত্য পূর্ণ চাঁদ সম প্রিয়তম চির অক্ষয়
 এ চাঁদে একাদশী নাই হে—
 শুধু রাধা একা দোষী হলো নিত্য কেন পায়না
 মোর কৃষ্ণ চাঁদে যে একাদশী নাই হে—

সেই বৃদ্ধগোপীদের ঘর আছে পর আছে
 কৃষ্ণ বিনা নাই রাধারি কেহ
 আমিও আমি বেন আমারও শ্রীকৃষ্ণ কেবল রাধাময় দেহ ।
 সে রাধা প্রেমে বাঁধা সে রাধা ছাড়া জানে না, রাধাময় দেহ
 সে রাধা প্রেমে বাঁধা ।

SENOLA QS. 537 ॥ শিক্‌পী : নীলিমা বন্দ্যোপাধ্যায় ॥ কীর্তন ॥ তাল-ফেরতা

পা পা ধা ধরা সা সা সঁসা -া নসঁসা -নসঁসা -নসঁসা ণ্‌ধা -া: -ব: -সঁসা
 আ মি ক ল০ হে রি ত ০ রে০ ০০ ০০ ক ০ ০ ০০

ধলা পা পা পা পা
 ল০ হ ক রে ছি

টিমা কাহারবা :

[পক্ষগন্ধা: প:]

II { পা দ্বা পা ধা | প্ৰপা: মগ: -রগা রসা I -া গমা পা -দ্বা | -ধপা -া পা পা } I
বো ব না কি র সি 0 00 ক 0 0 ব 0 ধু 0 00 0 তু মি

I পা -ধা ধা ধনা: | -ধ: ধা পা ধনা: I -প: ধা ধরসর্গা না | না সর্গা ধনা -ধপা I
ম নু রো ব 0 ম নো চো 0 র ম 0ন্বো ব না কি 0 হে 0 00

I পা -ধা ধা না | ধা পা ধনা -ধপা I -া ধা ধরসর্গা না | না সর্গা ধনা -ধপা I
ম নু বো ব ম নো চো 0 0 0 ম 0ন্বো ব না কি 0 হে 0 00

I -া পক্ষা পা ধা | ধপা পমা মগা রসা I -া গমা পা দ্বা | -ধপা -া পা পা I
0 কুল চে ন চে ন না কি 0 0 ম 0 ধু 0 00 0 তু মি

I পক্ষা -পক্ষা পা ধা | পমা গা রসা I -া গমা পা -দ্বা | -ধপা -া -া -া I
ক 0 0ল্ চে ন 0 চেন না কি 0 0 ম 0 ধু 0 00 0 0 0

দ্রুত কাহারবা :

I -া পপা -া পা | না মধা পা পা I পমা মগা রগা -রসা | -রা -া -া -া I
0 তুমি 0 যে ম ধু 0 ব নের্ ম 0 ধু 0 ক 0 00 0 0 0 0

I -া পপা -া পা | মা মধা পা পা I পমা মগা রগা -রসা | -রা -া -া -া I
0 তুমি 0 যে ম ধু 0 ব নের্ ম 0 ধু 0 ক 0 00 0 0 0 0

I -া -া -া -া | -া -া পা পা I { পা ধা ধা -া | ধা ধা ধা -া } I
0 0 0 ব 0 0 তু মি ম ধু র ম্ ম ধু র ম্

I ধা সর্গা সর্গা সর্গা | না ধা পধা -পধপমা I (-া মধা পা না | মা গা রা -া) I
ম ধু ম য ম নো হ 0 0000 0 ম ধু ব নে ম ধু ক র

I -। मधा पा मा | मा गा रगा -सा I -रा । -। -। -। -। -। -। -। -। I
 ४ मधु व ने म धु ४० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ४

छिमा काहारवा :

I (मा गा मा धपा | मज्जा -। रा -ज्जा I मरा -मज्जा रा -। | रा रणा पधा -सपा I
 क ल हे रि० कु० ० ले ० र० ०० हे ० अ डि० मा० ००

I -धपा पधा पधा म-पा | -। धपा पधा मपा I पा पा पा -। } | -। सर्पा सर्पा सर्पा I
 ०न् मधु ये० ० ० चिन ना० कि० व धु हे ० ० रा गे र

I सर्पा -। सर्पा -। | मर्पा -मर्पानधा धपा -धपधपा I -। धपा पधा -मपा | पा पा पा -। I
 या ० वे ० व० ०००० हे० ०००० ० अनु रा० ग० म धु हे ०

I -। मा: धपप: पा | मज्जा ज्जरा रा -। I -मरा -मा -पा -पधा | -पधा -पधा -धा -पा I
 ० दे ख०ना कि व० धु० हे ० ०० ० ० ० ० ०० ०० ०० ० ०

I -। -। -। -। | -। -। -। -। I
 ० ० ० ० ० ० ० ०

जुड-दादरा :

I मा धा पा | धा धा धा I धा पा धा | -पा धा -पा I
 क ल ४ की व ले ग ग ने धु टा धु

I धा सर्पा पधा | -पा पधा -मा I पा -। -। | -। पा पा I
 ४ डि दि० न् क ह ह ० ० र् तु नि

I धा -। सर्पा | सर्पा -सर्पा सर्पा I सर्पा -। सर्पा | सर्पा र्पमा र्पमा I
 दि ० डा पु धु ण टा धु ल म धि० य०

I সী র্জী সী | না ধা -বা I প্ৰা -পা -া | -া -া -া I
 ত ন০ চি ৰ অ ০ ক ০ ০ ০ ০ ০ ০

ব্রুত কাহাৰবা :

I {-া পা পা পা | ধা ধৰ্জী সী সী I নৰ্জী -নধা ধনা -ধপা | -ধা -া (-া -া)) I
 ০ এ চাঁ বে এ কা০ দ শী না০ ০ই হে০ ০০ ০ ০ ০ ০

দ্রুত দাধাৰা :

ধা ধা I {ধধা: :- পা | ধা ধা -া I ধা ধা -া | ধা ধধা -পনা I
 ত ধু রা০ ০ ধা এ কা ০ দৌ ধী ০ হ ল০ ০০

I ধা -া পা | ধা পা -া I প্ৰা -া -পা | রা -া -া I
 মি ০ তা কে ন ০ পা ০ য় না ০ ০

I (-া -া -া | -া ধা ধা)) I {পা -ধা ধা | -া ধা -া I
 ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

[ধা] [-পা]
 I ধা -া ধা | ধা পা -া I ধা ধা সী | সী সী -া I
 চাঁ ০ দে বে ০ ০ এ কা ০ দ শী ০

I (নৰ্জী -নধা -া | ধনা -ধপা -া)) I নৰ্জী -নধা -া | ধা -া -া I
 না০ ০০ ই হে০ ০০ ০ না০ ০০ ই হে ০ ০

I -পমা -গমা -পধা | -ধধা -পধা -পৰ্জী I -নধা -ধধা -ধা | -পা -া -া I
 ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০০ ০ ০ ০ ০

চিমা কাহাৰবা :

I পা -া ধা সী | সী সী সী -া I -া সৰ্জী র্জী র্জী | র্জী -া সী সী I
 সে ই ব্ৰ অ গো পী দে ব্ৰ ০ য্ৰ আ০ ছে০ প০ হ্ৰ আ ছে

I -। री रीरु री | री -। री: री-ग: I -री रीरु रीरु रीरु | रीरु -। री -। I
 ० कृष् ० वि ना ० ना ० इ रा० बा० रि० के ० ह ०

I -। धवा -रीरु री | नरीना री-धपा: पध: धना I -। धना: पध: रपा | रपा -। पा -। I
 ० आनि ०७ जा नि०० ०० ये० न० ० आना र० श्री० कृष् ०

I -। पा -धपमगा ना | -। पना: न: रधा I धना -रीरु: र: -। | -। -। -। गा I
 ० के ००व० न ० राधा म य० दे० ०० ह ० ० ० ० से

ऊत काहारवा :

I गा पा ना गा | रगा -रा लना -सा I -। -। -। -। | -। -। -। गमा I
 रा धा प्रे मे बी० ० धा० ० ० ० ० ० ० ० ० ० से०

I पा ना ना ना | ना ना ना -। I ना री री ना | धना: -ध: पका -पा I
 रा धा छा डा जा ने ना ० रा धा म य दे० ० ह० ०

I -गा री-मा -गा -। | -। -। गा -मा I गा ना पा धा | ना ना -। -। |
 ० ० ० ० ० ० से ० रा धा प्रे मे बी धा ० ०

I -। -। -धा -ना | -धा -री -ना -धा I ध-पा री-धा री-का -। | -। -पा -। -। III
 ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०